चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	23.06.2021	--	--

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोमिता

हिसार, 23 जून (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता बिश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थी। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। शोमिता बिश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्टअप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना करना बहुत ही सराहनीय कदम है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा कृषि क्षेत्र में किए

संयुक्त सचिव ने एचएयू स्थित एबिक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा

जा रहे अनुसंधानों व तकनीकों की भी प्रशंसा की। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के समक्ष उन्होंने पौधारोपण भी किया और कॉलेज में चल रही आधुनिक परियोजनाओं की जानकारी ली और भविष्य में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों में आधुनिक तकनीकी व प्रौद्योगिकी को अपनाकर युवा अपने कृषि व्यवसाय को बेहतर कर सकते हैं और अपनी आय में इजाफा कर सकते हैं।

किसानों को मिल रही तकनीकी सहायता : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। यह किसानों को सीधे तौर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उसके उत्पाद को उचित दाम मिलने के उद्देश्य पूरा कर रहा है। कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल, एबिक से विक्रम सिंधु, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि सहित एबिक की पूरी टीम मौजूद रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	22.06.2021	--	--

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोमिता विश्वास

■ संयुक्त सचिव ने एचएयू स्थित एबिक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा

हिसार (सच कहूं न्यूज)।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाए रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी ज्ञान एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग,कृषि,सहकारिता और किसान कल्याण विभाग,कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक सेंटर व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थी। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। शोमिता विश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्टअप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना करना बहुत ही सराहनीय कदम है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधानों व तकनीकों की भी प्रशंसा की। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के समक्ष उन्होंने पौधरोपण भी किया और कॉलेज में चल रही आधुनिक परियोजनाओं की जानकारी ली और भविष्य में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों में आधुनिक तकनीकों व प्रौद्योगिकी को अपनाकर युवा अपने कृषि व्यवसाय को बेहतर कर सकते हैं और अपनी आय में इजाफा कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	22.06.2021	--	--

संयुक्त सचिव ने एचएयू स्थित एबिक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोमिता विश्वास

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	22.06.2021	--	--

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोमिता विश्वास

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते है। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी ज्ञान एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थी। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। शोमिता विश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्टअप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना करना बहुत ही सराहनीय कदम है।

किसानों को मिल रही तकनीकी सहायता : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। यह किसानों को सीधे तौर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उसके उत्पाद को उचित दाम मिलने के उद्देश्य पूरा कर रहा है।

संयुक्त सचिव ने एचएयू स्थित एबिक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा

यह सेंटर उद्यमियों से मेलजोल बढ़ाकर उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयासरत है। साथ ही अनुसंधान एवं विकास के लिए मंच प्रदान करने के अलावा बुनियादी सुविधाएं और तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	22.06.2021	--	--

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं: शोमिता विश्वास

संयुक्त सचिव ने एचएयू स्थित एबिक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से पहुंची थीं। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। शोमिता विश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय

हिसार। पौधारोपण करती संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास व कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के मार्गदर्शन के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना करना सराहनीय कदम है।

इससे पहले एबिक में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. [illegible], डॉ. विजय शर्मा, एबिक के नोडल अधिकारी [illegible], एबिक से विक्रम सिंधु, अर्पित [illegible], मनीषा मलिक सहित एबिक की पूरी टीम मौजूद रही।

किसानों को मिल रही तकनीकी सहायता: काम्बोज

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। यह किसानों को सीधे तौर पर व्यवसाय से जोड़कर उनके उत्पाद को उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य पूरा कर रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	22.06.2021	--	--

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोमिता

हिसार (समस्त हरियाणा न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी ज्ञान एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थी। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान, हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। शोमिता विश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्टअप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना करना बहुत ही सराहनीय कदम है। कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। यह किसानों को सीधे तौर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उसके उत्पाद को उचित दाम मिलने के उद्देश्य पूरा कर रहा है। संयुक्त सचिव ने एबिक की बेकरी यूनिट का भी दौरा किया। इस दौरान संयुक्त सचिव ने बेकरी यूनिट, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय का दौरा किया और एबिक के स्टार्टअप से भी मुलाकात की। इससे पहले एबिक में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कादयान, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल, एबिक से विक्रम सिंधु, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि सहित एबिक की पूरी टीम मौजूद रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	22.06.2021	--	--

एबिक तकनीकी राय एवं कौशल प्रदान करता है : विश्वास

हिसार: 21 जून (रिपोर्टर)
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थीं। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। शोमिता विश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा विद्यार्थियों और उद्यमियों के स्टार्टअप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना करना बहुत ही सराहनीय कदम है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा कृषि क्षेत्र में किए जा रहे अनुसंधानों व तकनीकों की भी प्रशंसा की। कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के समक्ष उन्होंने पौधारोपण भी किया और कॉलेज में चल रही आधुनिक परियोजनाओं की जानकारी ली और भविष्य में आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों में आधुनिक तकनीकी व प्रौद्योगिकी को अपनाकर युवा अपने कृषि व्यवसाय को बेहतर कर सकते हैं और अपनी आय में इजाफा कर सकते हैं। कु लपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। यह किसानों को सीधे तौर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उनके उत्पाद को उचित दाम मिलने के उद्देश्य पूरा कर रहा है। यह सेंटर उद्यमियों से मेलजोल बढ़ाकर उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयासरत है। साथ ही अनुसंधान एवं विकास के लिए मंच प्रदान करने के अलावा बुनियादी सुविधाएं और तकनीकी ज्ञान प्रदान करता है। इस केंद्र का उद्देश्य कृषि प्रौद्योगिकी एवं व्यवसायीकरण और स्टार्टअप कंपनियों के विकास की स्थापना के लिए मार्गदर्शन करना व कार्य की सफलता और स्थिरता के लिए परामर्श, प्रशिक्षण, व्यवसाय सलाहकार सेवाएं प्रदान करना भी है। इस दौरान संयुक्त सचिव ने बेकरी यूनिट, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय का दौरा किया और एबिक के स्टार्टअप से भी मुलाकात की। इससे पहले एबिक में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजय रानी, एबिक के नोडल अधिकारी [illegible] गोयल, एबिक से विक्रम सिंधु, अर्पित तनेजा, मनीषा मलिक आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	22.06.2021	--	--

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोमिता विश्वास

संयुक्त सचिव ने एचएयू स्थित एबिक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

[illegible]

[illegible]

किसानों को मिल रही तकनीकी सहायता : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	23.06.2021	--	--

कोरोना से जंग जीतने के लिए प्रयास जारी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हिसार । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कैंपस स्कूल परिसर में मेगा वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 516 लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाई गई। कैंप के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर.काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जंग को जीतना ही हमारा प्रयास है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से हरसंभव प्रयास जारी हैं। समय-समय पर कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार की ओर से जारी हिदायतों के प्रति जागरूक करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में लगातार सेनेटाइजेशन अभियान, वैक्सीनेशन कैंप और कोरोना के टेस्ट के लिए कैंप आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय के बाहरी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों पर लगातार वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों की ओर से केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों को वैक्सीन लगाई गई है। साथ ही ज्यादा से ज्यादा किसानों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग पूरे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और उनके परिजनों को वैक्सीन लगवाने के लिए जागरूक किया जा रहा है और कैंप आयोजित किए जा रहे हैं ताकि किसी भी कर्मचारी और उसके परिजन को टीकाकरण के लिए किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

एचएयू के कैंपस स्कूल में लगाया मेगा वैक्सीनेशन कैंप, 516 लोगों को लगाई गई कोरोना की वैक्सीन

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी जब अपने चरम पर थी, तब भी राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्य, कृषि संबंधी कार्य, अनुसंधान और ऑनलाइन पढ़ाई जैसी सभी गतिविधियां निर्बाध गति से जारी रहीं। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कोरोना योद्धा की भांति अपना फर्ज निभाते हुए ड्यूटी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार न्यूज	23.06.2021	--	--

एचएयू में तीन दिवसीय ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण का समापन

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह जानकारी देते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मुख्य विषय था। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते किसानों के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय की ओर से

कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों के बारे में भी बताया और कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. दविंदर सिंह ने किया। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने किसानों को कपास के शंकर बीज का उत्पादन अपने खेत में तैयार करने के बारे में जानकारी दी जबकि डॉ. करमल सिंह ने कपास का अधिक उत्पादन लेने के लिए अपनाई जाने वाली उन्नत शस्य क्रियाओं से अवगत कराया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	23.06.2021	--	--

एचएयू में ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

हिसार, 24 जून (राजकुमार) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह जानकारी देते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मुख्य विषय था। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते किसानों के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय की ओर से कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों के बारे में भी बताया और कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. दविंदर सिंह ने किया।

कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने किसानों को कपास के शंकर बीज का उत्पादन अपने खेत मे तैयार करने के बारे में जानकारी दी जबकि डॉ. करमल सिंह ने कपास का अधिक उत्पादन लेने के लिए अपनाई जाने वाली उन्नत शस्य क्रियाओं से अवगत कराया। डॉ. रामप्रकाश ने समस्या ग्रस्त भूमि व खारे पानी का सुधार करने और कपास उत्पादन में विभिन्न बातों का ध्यान रखने की सलाह दी। डॉ. भूपेन्द्र ने कीटों का नियंत्रण करने को लेकर उपाय बताए और डॉ. मनमोहन ने कपास में आने वाली विभिन्न बीमारियों के बारे में बारीकी से जानकारी दी। डॉ. निर्मल ने कपास में होने वाले अनावश्यक खर्च को कम करने के बारे में जानकारी देते हुए अधिक उत्पादन हासिल करने की तकनीकों से अवगत कराया। इस प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कपास उत्पादन की विभिन्न तकनीकों व उनके प्रबंधन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई और प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट संस्थान की ओर से प्रदान किए गए। प्रशिक्षण का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया गया था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	23.06.2021	--	--

कोरोना से जंग जीतने हेतु प्रयास जारी : प्रो. काम्बोज

टीकाकरण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

हिसार, 24 जून (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कैंपस स्कूल परिसर में मेगा वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 516 लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाई गई। कैंप के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर.काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जंग को जीतना ही हमारा प्रयास है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से हरसंभव प्रयास जारी हैं। समय-समय पर कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार की ओर से जारी दिशानिर्देशों के प्रति जागरूक करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में लगातार सेनेटाइजेशन अभियान, वैक्सीनेशन कैंप और कोरोना के टेस्ट के लिए कैंप आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय के बाहरी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों पर लगातार वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों की ओर से केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों

मेगा वैक्सीनेशन कैम्प में 516 लोगों को लगाई वैक्सीन

को वैक्सीन लगाई गई है।

एचएयू कर्मचारियों ने कोरोना की चरम में भी दिखाई कर्मठता : कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी जब अपने चरम पर थी, तब भी राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्य, कृषि संबंधी कार्य, अनुसंधान और ऑनलाइन पढ़ाई जैसी सभी गतिविधियां निर्बाध गति से जारी रही। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजबीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. रिचा, डॉ. मंजू, स्टाफ नर्स शर्मिला, पूनम, रेखा और सुनील सहित जिला स्वास्थ्य विभाग, विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी व अस्पताल के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	23.06.2021	--	--

कोरोना से जंग जीतने के लिए प्रयास जारी : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू के कैंपस स्कूल में लगाया मेगा वैक्सीनेशन कैंप, 516 लोगों को लगाई गई कोरोना की वैक्सीन

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कैंपस स्कूल परिसर में मेगा वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 516 लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाई गई।

कैंप के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर.काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जंग को जीतना ही हमारा प्रयास है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से हरसंभव प्रयास जारी हैं। समय-समय पर कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार की ओर से जारी हिदायतों के प्रति जागरूक करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में लगातार सेनेटाइजेशन अभियान, वैक्सीनेशन कैंप और कोरोना के टेस्ट के लिए कैंप आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय के बाहरी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों पर लगातार वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों की ओर से केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों को वैक्सीन लगाई गई है। साथ ही ज्यादा से ज्यादा किसानों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

टीकाकरण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

एचएयू कर्मचारियों ने कोरोना की मार में भी दिखाई कर्मठता : कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी जब अपने चरम पर थी, तब भी राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्य, कृषि संबंधी कार्य, अनुसंधान और [illegible] सभी गतिविधियां निर्बाध गति से जारी रहीं। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने कोरोना [illegible] की परवाह किए बिना अपनी ड्यूटी दी और [illegible]। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ने बताया कि कैंप के दौरान 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कुल 516 लोगों को वैक्सीन लगाई गई जिसमें 482 कोविशील्ड और 34 कोवैक्सीन लगाई गई।

खरीफ फसलों के बीमा के लिए अंतिम तिथि बढ़ी, 31 जुलाई तक किसान करवा सकेंगे अपनी फसलों का बीमा

हिसार। हरियाणा सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत खरीफ फसलों का बीमा करवाने के लिए अंतिम तिथि को बढ़ाते हुए 31 जुलाई कर दिया है।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सभी किसानों के लिए स्वैच्छिक योजना है, इसलिए यदि ऋणी किसान इस योजना में शामिल नहीं होना चाहते तो वे अपने बैंकों में लिखित आवेदन दे सकते हैं। तय समय-सीमा के बाद बैंक फसलों का बीमा करने के लिए अधिकृत होंगे। गैर-ऋणी किसान ग्राहक सेवा केन्द्र पर बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि से अपनी फसल का बीमा करवा सकते हैं। यदि कोई किसान पहले से निर्धारित फसल में बदलाव करता है तो उसे अंतिम तिथि से पहले फसल बदलाव के लिए बैंक को सूचित करना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर ब्रेकिंग न्यूज	23.06.2021	--	--

एचएयू में तीन दिवसीय ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण का समापन

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया।

यह जानकारी देते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मुख्य विषय था। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते किसानों के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय की ओर से कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी।

साथ ही उन्होंने किसानों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों के बारे में भी बताया और कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. सुरेंद्र सिंह ने किया। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने किसानों को कपास के संकर बीज का उत्पादन अपने खेत में तैयार करने के बारे में जानकारी दी जबकि डॉ. करमल सिंह ने कपास का अधिक उत्पादन लेने के लिए आवश्यक सस्य क्रियाओं से अवगत करवाया। डॉ. रामप्रकाश ने समस्या ग्रस्त भूमि व खारे पानी का सुधार करने और कपास उत्पादन में विभिन्न बातों का ध्यान रखने की सलाह दी। डॉ. भूपेन्द्र ने कीटों का नियंत्रण करने को लेकर उपाय बताए और डॉ. मनमोहन ने कपास में आने वाली विभिन्न बीमारियों के बारे में बारीकी से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	25.06.2021	02	07-08

AGRI-BUSINESS INCUBATION CENTRE

Hisar: Shomita Biswas, Joint Secretary, Mechanisation and Technology Division, Development of Agriculture Cooperation and Farmer Welfare, Government of India, visited the Agri-Bussiness Incubation Centre (ABIC), Chaudhary Charan Singh Haryana Agriculture University, Hisar, and said the youth with the help of ABIC could be job providers instead of job seekers. The ABIC centre not only helps in becoming a successful entrepreneur but also give technical knowledge and skill. Biswas said establishment of the ABIC was praise worthy as it was motivating startups in the agriculture field and helping farmers and students financially. Vice Chancellor BR Kamboj informed the Joint Secretary that the ABIC is motivating youth and farmers and imparting technical knowledge and skill for establishing successful startups in the agriculture field.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	24.06.2021	04	03-06

'संयुक्त सचिव ने एबिक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा'

हिसार, 23 जून (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थी।

इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। शोमिता विश्वास ने कहा कि कृषि क्षेत्र से जुड़ी गतिविधियों में आधुनिक तकनीकी व प्रौद्योगिकी को अपनाकर युवा अपने कृषि व्यवसाय को बेहतर कर सकते हैं और अपनी आय में इजाफा कर सकते हैं।

कृषि मंत्रालय की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास कस्टम हायरिंग सैंटरों तथा फिल्ड कार्यों का अवलोकन करते हुए। (पंकेस)

कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कंबोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबैशन सैंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सैंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। यह किसानों को सीधे तौर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उसके उत्पाद को उचित दाम मिलने के उद्देश्य पूरा कर रहा है। इससे पहले एबिक में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल, एबिक से विक्रम सिंधु, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि सहित एबिक की पूरी टीम मौजूद रही।

इसके अलावा संयुक्त सचिव ने सी.आर.एम./समैम योजना के अन्तर्गत स्थापित कस्टम हायरिंग सैंटरों तथा फील्ड कार्यों का जमीनी स्तर पर भ्रमण कर अवलोकन किया तथा योजना के क्रियान्वयन को लेकर किसानों से फीडबैक लिया।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा के संयुक्त निदेशक इजि. जगमन्दर नैन ने बताया कि संयुक्त सचिव ने उत्तरी क्षेत्र फार्म मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान में पैडी ट्रांसप्लांटर के प्रदर्शन प्लांट का अवलोकन किया तथा गांव लाडवा में किसान के खेत में जाकर सीधी बिजाई तकनीक एवं लेजर लैंड लेवलर तकनीक के फील्ड प्रदर्शन प्लांट का निरीक्षण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	24.06.2021	09	04-08

संबोधन

संयुक्त सचिव ने एबिक व इंजीनियरिंग कॉलेज का दौरा कर लिया जायजा

केंद्र सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने जताया बेहतर भविष्य का भरोसा

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : विश्वास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है।

ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थी। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे।

हिसार। पौधरोपण करती संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास व कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज। फोटो : हरिभूमि

इस दौरान शोमिता विश्वास ने कहा कि विश्वविद्यालय में कृषि और कृषि से जुड़ी गतिविधियों में किसानों, युवा छात्रों और उद्यमियों के स्टार्टअप के लिए तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण व वित्तीय सहायता के लिए एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना करना सराहनीय कदम है।

किसानों को तकनीकी मदद

कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने बताया कि एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। यह किसानों को सीधे तौर पर व्यवसाय से जोड़ने तथा उसके उत्पाद को उचित दाम मिलने के उद्देश्य पूरा कर रहा है। यह सेंटर उत्पाद प्रसंस्करण एवं उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार को प्रयासरत है।

बेकरी यूनिट का किया दौरा

संयुक्त सचिव ने एबिक की बेकरी यूनिट का भी दौरा किया। इससे पहले एबिक में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल, एबिक से विक्रम सिंधु, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि सहित एबिक टीम मौजूद रही।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24.06.2021	02	06-08

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोमिता विश्वास

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थीं। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल मौजूद रहे।

पौधरोपण करतीं संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास व कुलपति।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24.06.2021	02	06-08

एबिक व कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं : शोमिता विश्वास

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थीं। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल मौजूद रहे।

पौधरोपण करतीं संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास व कुलपति।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	**24.06.2021**	**04**	**01-02**

कृषि अभियांत्रिकी में अपार संभावनाएं : शोमिता

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है, बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। ये विचार मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने व्यक्त किए। वे एबिक केंद्र व कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय की विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी हासिल करने के उपरांत बोल रही थी। इस दौरान उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान हिसार के निदेशक डॉ. मुकेश जैन, महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. अमरजीत कालड़ा, डॉ. विजया रानी, एबिक के नोडल अधिकारी एसके गोयल, एबिक से विक्रम सिंधु, अर्पित तनेजा, मनीषा मणि सहित एबिक की पूरी टीम मौजूद रही। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	**24.06.2021**	**08**	**07-08**

'कृषि अभियांत्रिकी में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं'

हिसार (निस) : मशीनीकरण और प्रौद्योगिकी प्रभाग, कृषि, सहकारिता और किसान कल्याण विभाग केन्द्र सरकार की संयुक्त सचिव शोमिता विश्वास ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एबिक सेंटर व इंजीनियरिंग कॉलेज का जायजा लेने के उपरांत कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एबिक से जुड़कर युवा रोजगार मांगने की बजाय रोजगार देने वाले बन सकते हैं। एबिक न केवल सफल व्यवसायी बनाने में मदद करता है बल्कि तकनीकी राय एवं कौशल भी प्रदान करता है। इस मौके पर उत्तरी क्षेत्र कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश जैन भी मौजूद रहे। कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर की जानकारी देते हुए संयुक्त सचिव को बताया कि इस सेंटर के माध्यम से किसान विश्वविद्यालय की तकनीकी सहायता लेकर कृषि क्षेत्र में सफल होने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। संयुक्त सचिव ने बेकरी यूनिट, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय का दौरा किया और एबिक के स्टार्टअप से भी मुलाकात की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	**25.06.2021**	**04**	**03-04**

'एच.ए.यू. में मेगा वैक्सीनेशन कैंप में 516 लोगों को लगाई वैक्सीन'

हिसार, (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल परिसर में मेगा वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 516 लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाई गई। कैंप के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जंग को जीतना ही हमारा प्रयास है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से हरसंभव प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि लगभग पूरे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और उनके परिजनों को वैक्सीन लगवाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने बताया कि कैंप के दौरान 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कुल 516 लोगों को वैक्सीन लगाई गई, जिसमें 480 कोवैक्सीन और 36 कोविशिल्ड लगाई गई। इस अवसर पर कुलपति के ओ.एस.डी. डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. रिचा, सहित जिला स्वास्थ्य विभाग, विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी व अस्तपाल के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

टीकाकरण के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज व अन्य।

भिजवाने के पश्चात विभाग द्वारा संबंधित स्थल पर शीघ्र शिविर का आयोजन करवाया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ. रत्ना भारती ने बताया कि स्थास्थ्य विभाग के स्टाफ के दृष्टिगत एक दिन में दो वार्डों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। प्रत्येक वार्ड में 500-500 व्यक्तियों को वैक्सीन की डोज दी जाएगी। इस अवसर पर डॉ. नीरज गुप्ता, डॉ. पुनीत कुमार, डॉ. जगत सहित शहर के पार्षद एवं ग्रामीण क्षेत्रों के जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.06.2021	02	05-08

एचएयू के वैक्सीनेशन कैंप में 516 को लगाया टीका जिसमें 480 कोवैक्सीन और 36 कोविशिल्ड लगाई

वीसी ने कहा-कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जंग को जीतना ही हमारा प्रयास है

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू के कैंपस स्कूल परिसर में मेगा वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 516 लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाई गई।

कैंप के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जंग को जीतना ही हमारा प्रयास है। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से हरसंभव प्रयास जारी है। समय-समय पर कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार की ओर से जारी हिदायतों के प्रति जागरूक करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में लगातार सेनेटाइजेशन अभियान, वैक्सीनेशन कैंप और कोरोना के टेस्ट के लिए कैंप आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालय के बाहरी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों पर लगातार वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों की ओर से केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों को वैक्सीन लगाई गई है। साथ ही ज्यादा से ज्यादा किसानों को वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लगभग पूरे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और उनके परिजनों को वैक्सीन लगवाने के लिए जागरूक किया जा रहा है और कैंप आयोजित किए जा रहे हैं ताकि किसी भी कर्मचारी और उसके परिजन को टीकाकरण के लिए किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।

एचएयू में टीकाकरण के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज व अन्य स्टॉफ के सदस्य।

वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कोरोना महामारी जब अपने चरम पर थी, तब भी राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्य, कृषि संबंधी कार्य, अनुसंधान और ऑनलाइन पढ़ाई जैसी सभी गतिविधियां निर्बाध गति से जारी रही। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रीति मलिक ने बताया कि कैंप के दौरान 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कुल 516 लोगों को वैक्सीन लगाई गई जिसमें 480 कोवैक्सीन और 36 कोविशिल्ड लगाई गई। इस अवसर पर वीसी के ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया, डॉ. अशोक चौधरी, डॉ. रिचा, डॉ. मंजू, स्टाफ नर्स शर्मिला, पूनम, रेखा और सुनील सहित जिला स्वास्थ्य विभाग, विश्वविद्यालय के अन्य प्रशासनिक अधिकारी व अस्पताल के कर्मचारी भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	**25.06.2021**	**04**	**01**

एक नजर में

एचएयू के कैंपस स्कूल में लगाया मेगा वैक्सीनेशन कैंप

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस स्कूल परिसर में मेगा वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 516 लोगों को कोरोना की वैक्सीन लगाई गई। विवि के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि महामारी के खिलाफ जारी जंग को जीतना ही हमारा प्रयास है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. प्रीति मलिक ने बताया कि कैंप के दौरान 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के कुल 516 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। इस अवसर पर कुलपति के ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, कुलसचिव डा. राजवीर सिंह, छात्र कल्याण निदेशक डा. देवेंद्र सिंह दहियाडा. रिचा, डा. मंजू, शर्मिला, पूनम, रेखा मौजूद रहे। (जास)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	**25.06.2021**	**02**	**04-08**

किसानों को कपास उत्पादन तकनीक व प्रबंधन के दिए टिप्स

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से किसानों के लिए आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्पादन तकनीक व प्रबंधन के टिप्स दिए गए। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने कपास उत्पादन तकनीक व प्रबंधन के बारे में जागरूक किया।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कहा कि किसान इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. दविंद्र सिंह ने किया। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने किसानों को कपास के शंकर बीज का उत्पादन अपने खेत में तैयार करने के बारे में जानकारी दी जबकि डॉ. करमल सिंह ने कपास का अधिक उत्पादन लेने के लिए अपनाई जाने वाली उन्नत शस्य क्रियाओं से अवगत कराया।

डॉ. रामप्रकाश ने समस्या ग्रस्त भूमि व खारे पानी का सुधार करने व कपास उत्पादन में विभिन्न बातों का ध्यान रखने की सलाह दी। डॉ. भूपेंद्र ने कीटों का नियंत्रण करने को लेकर उपाय बताए और डॉ. मनमोहन ने कपास में आने वाली विभिन्न बीमारियों के बारे में बारीकी से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	**25.06.2021**	**04**	**06**

'ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण का समापन'

हिसार, 24 जून (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। यह जानकारी देते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मु य विषय था।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते किसानों के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय की ओर से कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। इस प्रशिक्षण के दौरान किसानों को कपास उत्पादन की विभिन्न तकनीकों व उनके प्रबंधन के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई और प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट संस्थान की ओर से प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.06.2021	02	01

कपास प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागी को दिया ई-सर्टिफिकेट

हिसार | एचएयू में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मुख्य विषय था।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने कहा कि किसानों के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय की ओर से कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने किसानों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों के बारे में भी बताया और कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। प्रशिक्षण का आयोजन डॉ. निर्मल कुमार व डॉ. दविंदर सिंह ने किया। कपास अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने किसानों को कपास के शंकर बीज का उत्पादन अपने खेत मे तैयार करने के बारे में जानकारी दी। जबकि डॉ. करमल सिंह ने कपास का अधिक उत्पादन लेने के लिए अपनाई जाने वाली उन्नत शस्य क्रियाओं से अवगत कराया। डॉ. रामप्रकाश ने किसानों को सलाह दी। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को ई-सर्टिफीकेट संस्थान की ओर से प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	**25.06.2021**	**04**	**01**

तीन दिवसीय ऑनलाइन कपास प्रशिक्षण का समापन

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में किसानों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन दिवसीय कपास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान के सह-निदेशक(प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कपास उत्पादन तकनीक व उसका प्रबंधन मुख्य विषय था। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते किसानों के लिए विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय की ओर से कृषि विज्ञान केंद्रों के माध्यम से आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने किसानों के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षणों के बारे में भी बताया और कहा कि किसान विश्वविद्यालय से जुड़कर इन प्रशिक्षणों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। (जास)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	24.06.2021	02	02-06

गेहूं की तरह बोया जाएगा धान, पानी भी बचेगा

धान की सीधी बिजाई पर किए गए प्रयोग से निकले सकारात्मक परिणाम, किसानों के लिए मददगार

जागरण संवाददाता, हिसार : उत्तरी हरियाणा में धान व गेहूं मुख्य फसले हैं। इसके साथ ही यहां भू-जलस्तर नीचे जाने की समस्या कुछ वर्षों में बड़ी हो गई है। यही कारण है कि सरकार यहां धान के स्थान पर दूसरी फसलों को करने के लिए किसानों को प्रेरित कर रही है। न चाहकर भी किसान धान नहीं छोड़ना चाहते हैं ऐसे किसान धान की खेती कर सकेंगे और पानी भी बचेगा। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विज्ञानियों की मानें तो सीधी बिजाई किसानों की मदद कर सकती है।

धान की सीधी बिजाई करने पर विज्ञानियों ने पाया कि पैदावार भी अच्छी हुई और पानी की बचत भी हुई। हालांकि सरकार की मेरा पानी मेरी विरासत के तहत किसान भाइयों को सुझाव दिया गया है कि प्रान्त उत्तरी पूर्वी क्षेत्रों में धान का क्षेत्रफल कम करके मक्का की फसल की बिजाई करें। जिससे भूमिगत पानी का स्तर नीचे जाने से बच जायेगा। धान की सीधी बिजाई में धान की फसल को सीधी ड्रिल द्वारा गेहूं की तरह बोया जाता है। गेहूं की कटाई के बाद हैरो व क्लटीवेटर चलाकर लेसर लेवलर द्वारा खेत को एक सार करने के बाद पानी लगाकर बत्तर आने पर धान की बिजाई की जाती है।

सीधी बिजाई के फायदे

- पहला पानी बिजाई के 21 दिन बाद ही लगाना पड़ता है। जबकि कद्दू की गई फसल में खेत में लगातार पानी खड़ा करना पड़ता है। इसलिए 15 .20 फीसद पानी की बचत होती है।
- सीधी बोई गई धान की फसल में खरपतवार की समस्या कम आती है। पहला पानी 21 दिन बाद लगाने पर जड़े गहरी चली जाती है इसलिए फसल में लौह तत्व की कमी नही आती है। पैदावार रोपाई की गई धान के बराबर आती है और धान के बाद बोई गई गेहूं की फसल की पैदावार 1 .15 क्विंटल प्रति एकड़ ज्यादा आती है।
- रोपाई के लिए प्रयुक्त मशीनरी व लगाई का खर्चा 4 हजार रूपये प्रति एकड़ की बचत होती है।

हिसार में धान की सीधी बिजाई । ●पीआरओ

जल संरक्षण

खेत कैसे तैयार करें

सीधी बिजाई वाले खेत में पहले लेजर लेवलर लगा दें जिससे पानी की बचत के साथ .साथ खरपतवार नियंत्रण होगा व बीज अच्छे से खेत में उगेगा। लेजर लेवलर लगाने के बाद खेत में पानी लगा दे। जब खेत तरबतर में आ जाए तो हल्का कल्टीवेटर लगाकर दो बार सुहागा लगाने के तुरंत बाद बिजाई कर दें।

सीधी बिजाई के लिए किन-किन बातों का रखें ध्यान

सीधी बिजाई केवल भारी व हल्की भारी जमीन व उन खेतों में ही करें। जहां 4 .5 साल से धान की फसल उगाई जा रही हों। हल्की रेतीली मिट्टी वाली जमीन में लौह तत्व की कमी आती है व खरपतवारों की समस्या भी रोपाई वाले धान की बजाए ज्यादा आती है। सीधी बिजाई के लिए कम समय में पकने वाली किस्में जैसे पूसा 1509, पूसा 1121, पूसा 1617, पूसा बासमती 1 व पलयन किस्में हाईब्रिड लो कम दिनों में पकते है केवल उन्ही का ही चुनाव करें। जो किसान धान के बाद आलू की फसल लेते है तो पूसा बासमती 6, पूसा 1509, पी आर 126 या अन्य कम अवधि में पकने वाली किस्म का प्रयोग करें।

सिंचाई का तरीका

तर बतर खेत में बिजाई के बाद पहला पानी बिजाई के तकरीबन 21 दिन बाद लगाएं। देर से पानी लगाने से पौधों की जड़ें गहरी चली जाएगी व जमीन का उपरी भाग शुरुआती दौर में कम बढ़ेगा। पहली सिंचाई देरी से करने से खरपतवारों की समस्या भी कम आती है क्योंकि जमीन की उपरी सतह सुख जाती है जिससे खरपतवार कम उगते हैं पानी देरी से लगाने से जड़ों की वृद्धि अधिक होती हैं जिससे वे आसानी से पोषक तत्व ले सकती हैं।

किसानों को इस विधि का अधिक से अधिक फायदा उठाना चाहिए । इस तकनीकि से पानी की 15 से 20 फीसद बचत और बेहतर पैदावार को बढ़ाती है। हमारे विज्ञानियों ने इस तकनीकि पर कई प्रयोग भी किए हैं जिसे किसानों के लिए उपयुक्त माना है। मेरा पानी मेरी विरासत योजना का किसान लाभ जरूर लें।

प्रो बीआर कांबोज, कुलपति, एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	**24.06.2021**	**03**	**04-06**

बैंक आफ बड़ोदा के क्षेत्रीय प्रबंधक ने किया हकृवि का दौरा

जासं, हिसार : बैंक आफ बड़ोदा के क्षेत्रीय प्रबंधक प्रवीन कुमार सिंह ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का दौरा कर कुलपति बलदेव राज कांबोज से मुलाकात की। उन्होंने बैंक आफ बड़ोदा द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं के बारे में व बैंक द्वारा समय समय पर कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत किये जाने वाले कार्यो के बारे में बताया।

इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार राजवीर सिंह व लेखानियंत्रक नवीन जैन से मुलाकात कर विश्वविद्यालय व बैंक द्वारा मिलकर सामाजिक व शिक्षा के विकास पर कार्य करने पर विचार विमर्श किया। इस दौरे के दौरान प्रवीन कुमार सिंह कृषि व्यापार उद्भवन केन्द्र के नोडल अधिकारी सतीश कुमार गोयल से मिले। कृषि में नए व्यापार, विकास के आयामों और कृषि क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने पर चर्चा की। साइना नेहवाल कृषक प्रशिक्षण केंद्र के डा. अशोक गोदारा से मिलकर युवाओ को बैंक व्यवसाय संवाददाता स्कीम के तहत रोज़गार प्रदान करने के बारे में चर्चा की। इस दौरे को सफल बनाने में बैंक आफ बड़ोदा के पूर्व कृषि अधिकारी व वर्तमान में

मंथन

- कृषि के क्षेत्र में विकास के आयाम स्थापित करने पर चर्चा की

एचएयू में कुलपति प्रो बीआर कांबोज से मिलते बैंक आफ बड़ोदा के क्षेत्रिय प्रबंधक प्रवीन कुमार सिंह। - बीओआइ।

विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर सुबोध अग्रवाल ने अहम भूमिका निभाई। इस दौरे पर प्रवीन कुमार सिंह के साथ बैंक के उप क्षेत्रीय प्रबंधक अंजनी कुमार सिंघल, क्षेत्रीय व्यवसाय प्रबंधक ईशान भूटानी और बैंक की विश्वविद्यालय शाखा के प्रमुख रवि सिंह उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	24.6.21	4	4-8

कृषि विशेषज्ञ किसानों को जून से जुलाई के बीच अरहर की खेती करने की दे रहे सलाह

अरहर की उन्नत किस्म उगाकर किसान पा सकते हैं 6-8 क्विंटल प्रति एकड़ की पैदावार; आय व उर्वरता बढ़ेगी

- अरहर की हरी पत्तियां टोकरी बनाने में सहायक

महबूब अली | हिसार

जून और जुलाई में किसान अरहर की उन्नत किस्मों पूसा 33, उपास 120, जागृति , मानक, पारस आदि की खेती कर अपनी आय बढ़ा सकते हैं। किसान उन्नत किस्म उगाकर 6 से 8 क्विंटल प्रति एकड़ तक पैदावार पा सकते हैं। अरहर की खेती करने से खेत की उर्वरा शक्ति भी बढ़ती है। इसके साथ ही अरहर में प्रोटीन ज्यादा होने के चलते यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। इसके अलावा अरहर की हरी पत्तियों से टोकरी बनाई जाती है। यह कमाई का अतिरिक्त जरिया हो सकता है। हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को अरहर की खेती करने के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

अरहर की फसल। (फाइल फोटो)

- **भूमि का चुनाव एवं तैयारी:** हल्की दोमट अथवा मध्यम भारी प्रचुर स्फूर वाली भूमि, जिसमें समुचित पानी निकासी हो, अरहर बोने के लिये उपयुक्त है। खेत को 2 या 3 बाद हल चला कर तैयार करना चाहिये।

- **बुआई का समय व तरीका:** डॉ. अनुराग ने बताया कि अरहर की बुआई जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह में करें। मध्यम व देर से पकने वाली किस्मों के लिए पौधों की दूरी 25-30 सेमी व कम अवधि की किस्मों के लिए 15-20 सेमी रखें।

इन उन्नतशील किस्मों की कर सकते हैं बुआई

कृषि विकास अधिकारी डॉ. अनुराग सांगवान के अनुसार दुर्गा 84031, उपास 120, पूसा 855, पूसा 33, पूसा अगेती आजाद जागृति, टाइप 21, ज्वाहर अरहर, पूसा 9, पीपीएच-4, आईसीपीएच 8 , पारस, मानक आदि।

बीमारियां व नियंत्रण

- **उकटा रोग:** यह फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है। रोग के लक्षण फसल में फूल लगने के दौरान दिखते हैं। सितंबर से जनवरी के बीच में यह रोग होता है। इसमें पौधा पीला होकर सूख जाता है। जडें सड़ कर गहरे रंग की हो जाती हैं। इससे बचने के लिए किसान रोगरोधी किस्में जैसे जे.के. एम-189, सी.-11, जे.के.एम-7, बी.एस. एम.आर.-853, 736 आशा आदि बोएं।

- **बांझपन विषाणु रोग:** यह विषाणु जनित रोग है। इसमें पौधों की ऊपरी पत्तियां छोटी, हल्के रंग की हो जाती है। इसकी रोकथाम के लिए रोगरोधी किस्में लगाएं।

कीट नियंत्रण

कीटों के प्रभावी नियंत्रण हेतु समन्वित संरक्षण प्रणाली अपनाना आवश्यक है।

1. **फसल चक्र:** गर्मी में गहरी जुताई करें। शुद्ध अरहर न बोयें। फसल चक्र अपनायें। रासायनिक खाद की अनुशंसित मात्रा डालें। अरहर में ज्वार, मक्का जैसी अन्तरवर्तीय फसलें लगाएं।
2. **यांत्रिकी विधि द्वारा:** प्रकाश प्रपंच लगाएं। फेरोमेन टेप्स लगाएं, पौधों को हिलाकर इल्लियों को गिरायें एवं उनकों इकटठा करके नष्ट करें। खेत में चिडियों के बैठने के लिए अंग्रेजी शब्द ''टी'' के आकार की खुटिया लगाएं।